



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 187]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 14, 1976/चैत्र 25, 1898

No. 187]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 14, 1976/CHAITRA 25, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th April 1976

S.O. 295(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby directs that the Administrator of the Union territory of Arunachal Pradesh shall exercise the power to make rules in regard to the following matters, namely:

- (i) the method of recruitment to the Central Civil Services, and posts Class I under his administrative control in connection with the affairs of the Union territory of Arunachal Pradesh;
- (ii) the qualifications necessary for appointment to such services and posts;
- (iii) the conditions of service of persons appointed to such services and posts for the purposes of probation, confirmation, seniority and promotion;

Provided that nothing contained in this notification shall apply to the recruitment rules already in force until the same are revised or superseded by the said Administrator under the powers conferred on him by this notification and that the powers of the Governor of Assam under any such rules shall be exercised by the Administrator of the Union territory of Arunachal Pradesh.

2. Nothing contained in this notification shall apply to services and posts borne on a cadre common to two or more Union territories.

[No. U. 14012/7/74-AP.]

M. L. KAMPANI, Jt. Secy.

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 अप्रैल, 1976

का० आ० 295 (अ).—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देते हैं कि अरुणाचल प्रदेश संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक निम्नलिखित मामलों से संबंधित नियम बनाने के लिए शक्तियों का प्रयोग करेंगे, अर्थात् :-

- (i) अरुणाचल प्रदेश संघ राज्य क्षेत्र के कार्यकलाप के सम्बन्ध में उनके प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन केन्द्रीय सिविल सेवाओं और प्रथम वर्ग पदों पर भर्ती की पद्धति;
- (ii) ऐसी सेवाओं और पदों पर नियुक्ति के लिए आवश्यक अर्हताएं;
- (iii) परीक्षा, पुष्टिकरण, ज्येष्ठता और प्रोन्नति के प्रयोजनों के लिए ऐसी सेवाओं और पदों पर नियुक्त किए गए व्यक्तियों की सेवा की शर्तें;

परन्तु इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट कोई भी बात पहले से प्रवृत्त भर्ती नियमों को तब तक लागू नहीं होगी जब तक उक्त प्रशासक द्वारा इस अधिसूचना द्वारा उन्हें प्रदत्त शक्तियों के अधीन, उन भर्ती नियमों को पुनरीक्षित या अधिकांत नहीं कर दिया जाता और यह कि ऐसे किसी भी नियम के अधीन असम के राज्यपाल की शक्तियों का प्रयोग अरुणाचल प्रदेश संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक द्वारा किया जाएगा।

2. इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट कोई भी बात दो या दो से अधिक संघ राज्य क्षेत्रों के सामान्य काठर की सेवाओं या पदों को लागू नहीं होगी।

[सं० यू-14012/74-अ० प्र०]

एम० एल० कम्पानी, संयुक्त सचिव।